IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 1, January 2024

प्राचीन भारत में इतिहास लेखन की समीक्षा

डॉ. अनिल कुमार साकेत
सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग
शासकीय महाविद्यालय, रामपुर नैकिन, जिला सीधी, म.प्र.

शोध सारांश

विश्व के प्रत्येक देश में लोगो को इतिहास की समझ एक समय पर नहीं हुयी हैं बल्कि इसका ज्ञान अलग–अलग समय पर हुआ है। किसी भी देश का अपना कुछ न कुछ इतिहास होता है जिसके विषय में सुचनाऐं हमें समकालीन मनीषियों के द्वारा लिखें गयें साहित्यों में से होती है किन्तु इस प्रकार के साहित्य में कौन सी सामाग्री इतिहास लेखन में सहायक सिद्व होगी इसका निर्धारण कर पाना कठिन कार्य है। इतिहास लेख या इतिहासिकी का शाब्दिक अर्थ इतिहास लेखन की कला है। दुनिया के विभिन्न जन समुदायों और विभिन्न कालों में अतीत का जिज्ञासु बोध यानी ऐतिहासिक बोध एक समान मौजुद नहीं रहा है।प्राचीन यूनान एवं रोम तथा यहूदी एवं इसाई धर्मो ने युरोप से शक्तिशाली इतिहास बोध विरासत में लिया हैं किन्तु प्राचीन भारत में इतिहास बोध को देखा जाये तो इस सम्बन्ध में विद्वानो में काफी मतभेद है। विद्वानों का एक बड़ा वर्ग मानता है कि प्राचीन भारत में भारतीयों को इतिहास लेखन की समझ नहीं थी। इस प्रकार की सोच रखने वाले विद्वानों में विन्टर निट्ज मैक्समूलर आदि का नाम उल्लेखनीय हैं। इस मान्यता के विपरीत विद्वानों का एक वर्ग यथा, डां. गोविन्द चन्द्र पाण्डेय, डा. विश्वम्भर शरण पाठक, नीलकंठ शास्त्री आदि ने अपनी कृतियों के माध्यम से प्रमाणित करने का प्रयास किया कि भारतीय इतिहास लेखन की कला से परिचित थे।

अतः इस शोध पत्र के माध्यम से मेरे द्वारा प्राचीन भारत में इतिहास लेखन के दोनों मतों का समीक्षात्मक लेखन प्रस्तुत शोध पत्र में किया गया है।

मुख्य शब्द – प्राचीन, भारत, इतिहास, लेखन, समकालीन समीक्षा आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. बटरफील्ड, हिस्टोरियोग्राफी इन डिक्सनरी आफ हिस्ट्री आफ आइडियाज, बाल्यूम –2, 464
[2]. ई. श्रीधरन, इतिहास – लेख, पृष्ठ –2
[3]. कीथ, हिस्ट्री ऑफ संस्कृत लिट्रेचर, 144
[4]. स्मिथ, आक्सफोर्ड हिस्ट्री आफ इण्डिया, ग्पपप
[5]. ई. श्रीधरन, इतिहास लेख, 279
[6]. कुँवर बहादुर कौशिक, इतिहास दर्शन एवं प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन पृष्ठ – 98–99
[7]. पं. रविशंकर मिश्र, वैदिक इतिहासार्थ निर्णय, पृष्ठ – 124
[8]. मणिलाल पटेल, भारतीय अनुशीलन, पृष्ठ .109
[9]. बी. एस. पाठक, एन्शियण्ट हिस्टोरियन्स ऑफ इण्डिया, पृष्ठ – 16
[10]. बलदेव उपाध्याय, पुराण विमर्श, पृष्ठ – 10
[11]. ई. श्रीधरन, पूर्वोद्धत, पृष्ठ – 283

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-15100C

IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 7.53

Volume 4, Issue 1, January 2024